सृजक–समूह, देवघर

वार्षिक प्रतिवेदन वर्ष 2019–20

सृजक–समूह झारखण्ड सरकार से संस्था निबंधन अधिनियम (21) 1860 के अन्तर्गत निबंधित गैरसरकारी संगठन है। संस्था ज्वलंत सामाजिक समस्याओं के समाधान हेतु हमेशा समर्पित भाव से प्रयासरत रहती है। संस्था वित्तीय वर्ष 2019–20 में निम्नलिखित कार्यक्रमों को सम्पादित करने का प्रयास किया हैः–

1) **मूक–बधिर एवं मंदबुद्धि बच्चों का विशेष विद्यालय** :– दिव्यांग बच्चों के समस्या को ध्यान में रखकर संस्था द्वारा सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली के सहयोग से मूक–बधिर एवं मंदबुद्धि बच्चों के लिए एक विशेष विद्यालय का संचालन देवघर (झारखण्ड) में किया जा रहा है। बच्चों को योग्य शिक्षक/शिक्षिकाओं के द्वारा शिक्षित एवं प्रशिक्षित किया जा रहा है। विशेष विद्यालय इन बच्चों को शिक्षित–प्रशिक्षित कर समाज के मुख्य धारा में लाने के लिए प्रयासरत है। बच्चों के स्वभाव एवं पढ़ाई में दिनानुदिन प्रगति हो रहा है। बहुत से बच्चे अपना दैनिक कार्य अच्छी तरह से करने लगे हैं। विद्यालय के शिक्षक/शिक्षिका बच्चों के घर जाकर उनके परिवार के सदस्यों को भी जागरूक करने का प्रयास करते हैं जिससे बच्चों में ज्यादा परिवर्तन आ सके। साथ ही साथ समाज के जागरूक व्यक्तियों को भी समझाते हैं कि इन बच्चों को भी अन्य बच्चों के समान ही समझें इनमें छुपी प्रतिभा को उभारने का प्रयास करें। ये समाज के लिए बोझ नहीं हैं केवल इनको समझने की जरुरत है। यदि ससमय इनकी पहचान कर ली जाय तथा योग्य चिकित्सक एवं विशेष विद्यालय से सलाह लिया जाय तो समाधान निकल सकता है। वर्तमान में 65 बच्चे विशेष विद्यालय में नामांकित हैं।

2) **व्यसनियों का एकीकृत पुनर्वास केन्द्रः**– संस्था के सदस्यों के अथक प्रयास से संस्था द्वारा संचालित व्यसनियों के एकीकृत पुनर्वास केन्द्र को सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली से इस वर्ष पन्द्रह शैया का व्यसनियों के एकीकृत पुनर्वास केन्द्र संचालित करने हेतु अनुदान प्राप्त हुआ है। पुनर्वास केन्द्र के कार्यकर्त्ताओं के अथक प्रयास से नशीले पदार्थ के व्यसनी नशा से मुक्ति पा रहे हैं। संस्था के कार्यकर्त्ता गाँव–गाँव घुमकर गोष्ठी एवं पर्चा बाँटकर लोगों को नशीले पदार्थ के व्यसन से होने वाले समस्याओं तथा इससे निजात पाने के उपायों को बताते हैं। संस्था द्वारा 26 जुन, 2019 को अन्तर्राष्ट्रीय नशीला पदार्थ रोकथाम तथा अवैध व्यापार दिवस के अवसर पर एक जागरुकता शिविर का आयोजन संस्था के सभागार में किया गया जिसमें समाज के 115 गणमान्य व्यक्तियों, सामाजिक कार्यकर्त्ताओं, छात्र–छात्राओं ने भाग लिया। उपस्थित समुदाय को इस दिवस की महत्ता के बारे सविस्तार बताया गया। उन्हें अपने बच्चों पर ध्यान देने तथा सजग रहने को कहा गया। किसी प्रकार का समस्या दिखाई दे तो वे हमारे केन्द्र के कार्यकर्त्ता से मिलकर समस्या को हल निकालने का प्रयास करें। इस वर्ष व्यसनियों के एकीकृत पुनर्वास केन्द्र में 163 नशीले पदार्थ के व्यसनियों ने ईलाज करवाया। हमारे सामाजिक कार्यकर्त्ताओं का प्रयास है कि ईलाज के पश्चात् वे समाज के मुख्य धारा से जुड़ जायें।

3) **महिला एवं बाल कल्याण कार्यक्रमः–** डा0 धन कृष्ण मंडल के सहयोग से संस्था द्वारा क्रमशः रतनपुर (20.10.2019), गौड़ीगंज (29.12..2019), केड़बाक (23.02.2020) में स्वास्थ्य जाँच शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर से 152 लोगों ने लाभ उठाया। लोगों को स्वास्थ्य जाँच के साथ–साथ आवश्यकतानुसार दवा भी मुहैया करवाया गया। लोगों को सलाह दिया गया कि वे अपने परिवार को दो बच्चों तक सीमित करने का प्रयास करें। बच्चों को स्वस्थ रखने हेतु उपस्थित जनसमुदाय को बच्चों को दिए जाने वाले भोजन की मात्रा के बारे में विस्तार से बताया गया जिससे बच्चे कुपोषण के शिकार न हो। साथ ही साथ महिलाओं को भी सलाह दी गयी कि वे पोषक तत्व से भरपुर भोजन किया करें। खासकर गर्भावस्था की स्थिति में पोषक तत्व से भरपुर भोजन जरुर करें जिससे कुपोषित बच्चा पैदा न हो।

4) **कौशल विकास कार्यक्रम :–** बेरोजगारी की समस्या आज सर्वोपरि हो गया है। बेरोजगारी के अनुपात में नौकरी उपलब्ध नहीं है। इसलिए हमें रोजगार के अन्य विकल्प पर विचार करना चाहिए। यदि हम किसी प्रकार का व्यावसायिक प्रशिक्षण प्राप्त कर अपना रोजगार शुरु करते हैं तो बेरोजगारी से निजात पाया जा सकता है। वर्तमान सरकार कौशल विकास प्रशिक्षण पर ज्यादा ध्यान दे रही है जिससे बेरोजगार से रोजगार वाले बन सकते हैं साथ ही साथ अन्य बेरोजगार को भी रोजगार प्रदान कर सकते हैं। समाज के युवा वर्ग को ज्यादा से ज्यादा कौशल विकास प्रशिक्षण की ओर अग्रसर होना चाहिए। संस्था द्वारा सभी वर्गो के लिए एक कौशल विकास प्रशिक्षण केन्द्र चलाया जा रहा है। जिसमें 23 युवा एवं युवतियों को प्रशिक्षण दिया गया। इस केन्द्र में स्क्रिन प्रिंटिग, सिलाई–कटाई, ब्युटिशियन एवं कमप्युटर का प्रशिक्षण दिया जाता है। प्रशिक्षणोपरान्त वे आर्थिक लाभ प्राप्त करने का प्रयास कर रहे हैं। संस्था के कार्यकर्त्ता भी यथा सम्भव सहयोग करते हैं। वे नये नये परियोजना से उन्हें अवगत कराकर रोजगारमुखी बनाने को प्रयास करते हैं।

5) **अनुसूचित जाति/जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग के कल्याणार्थ कार्यक्रम :–** देश की प्रगति सभी वर्गों के उन्नति पर केन्द्रित होता है यानि देश का सभी वर्ग विकास कर रहा है इसका मतलब देश प्रगतिशील हो रहा है। भारत के संविधान में इस वर्ग के लोगों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए आरक्षण का प्रावधान किया गया, किन्तु आज भी इन वर्गो की समस्या में सुधार नहीं हो पा रहा है। योजनाओं की जानकारी उन्हें समुचित ढंग से नहीं हो पाती है। संस्था का प्रयास है कि वे इतना आत्मनिर्भर हो जायें कि उन्हें किसी की मदद की आवश्यकता न हो। अनुसूचित जाति/जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग को सरकार द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न प्रकार की योजनाओं की जानकारी देने के लिए जागरुकता शिविर का आयोजन क्रमशः रिखिया बाजार (12.05.2019), मोहनपुर बाजार (14.07.2019), देवीपुर बाजार (15.09.2019), सारवाँ बाजार (17.11.2019) में किया गया। जिसमें 132 अनुसूचित जाति/जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग के ग्रामीणों ने शिरकत किया।

6) **सेमिनार/कार्यशालाः–** इस वर्ष निम्नलिखित कार्यशाला/शिविर का आयोजन किया गया। सभी कार्यशाला/शिविर वर्तमान समय के ज्वंलत समस्याओं पर केन्द्रित था –

(क) **विश्व स्वपरायणता जागरुकता दिवस** :– 2 अप्रैल 2019 को विश्व स्वपरायणता जागरुकता दिवस के अवसर पर संस्था द्वारा एक जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन विद्यालय परिसर में किया गया। जिसमें बच्चों के अभिभावक, समाजसेवी तथा गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। लोगों को स्वपरायणता के पहचान के बारे में विस्तृत जानकारी दी गयी। उपस्थित लोगों को स्वपरायणता के कारण तथा निदान की विस्तृत जानकारी दी गयी। दिव्यांगों को सही शिक्षण–प्रशिक्षण के द्वारा समाज के मुख्य धारा में लाया जा सकता है। यदि कोई बच्चा स्वपरायणता से ग्रसित हो तो यथाशीघ्र किसी विशेष विद्यालय से सम्पर्क किया जाय। कार्यक्रम में 127 व्यक्तियों ने अपनी भागीदारी निभाई।

(ख) **वातारवण प्रदूषण** :– 5 जून, 2019 को पर्यावरण दिवस के अवसर पर नन्दन पहाड़, देवघर में एक शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें पर्यावरण प्रदूषण के दुष्परिणाम की विस्तृत जानकारी दी गयी। रोकथाम के विभिन्न उपायों को भी बताया गया। वातावरण प्रदूषण का प्रभाव जीवन के हर क्षेत्र में दिखाई देता है। बेमौसम बरसात हो रहा है। ग्लोवल वार्मिंग के कारण हमारा ग्लैशियर तेजी से पिघल रहा है। जिसके कारण समुद्र का जलस्तर बढ सकता है तथा समुद्री इलाके के शहर जलमग्न हो सकते हैं। लोगों ने संकल्प लिया कि 5 पेड़ जरुर लगायेंगे। जिसमें 236 छात्र, छात्राओं एवं शिक्षकों तथा गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। ऑन स्पॉट चित्रांकन प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया, इसमें 109 छात्र–छात्राओं ने भाग लिया। सम्मिलित प्रतिभागियों में से तीन विजयी प्रतिभागी को पुरस्कार प्रदान किया गया। साथ ही सभी प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र दिया गया। संदेशात्मक पर्चा भी बाँटा गया।

(ग) **अपारम्परिक ऊर्जा** :– आज के समय में जिस ऊर्जा के बारे में ज्यादा सोचा जा रहा है वह है अपारम्परिक ऊर्जा। इस शिविर का आयोजन दिनांक–12.01.2020 को बाजला चौक, देवघर् पर किया गया। इसमें 173 लोगों ने भाग लिया। ऊर्जा के बिना किसी कार्य का कल्पना करना भी सोच से परे है। ऊर्जा के खपत के हिसाब से ऊर्जा का उत्पादन बहुत कम हो रहा है। इस परिस्थिति में हमें ऊर्जा के अन्य स्त्रोतों जैसे पवन ऊर्जा, सौर ऊर्जा, गोबर गैस ऊर्जा पर ध्यान देना होगा इन ऊर्जाओं में सर्वश्रेष्ठ ऊर्जा है सौर ऊर्जा। जिसका खत्म होना असम्भव है तथा सबसे सुलभ भी है। हमें सर्वसुलभ सौर ऊर्जा पर पहल करना चाहिए जिससे भविष्य में अन्धकार का सामना न करना पड़े। शिविर के दौरान संदेशात्मक पर्चा भी बाँटा गया। चित्र प्रदर्शनी भी लगायी गई।

(घ) **शीघ्र पहचान कार्यक्रम** :– संस्था द्वारा 26.05.2019 को रोहिणी हटिया, 02.02.2020 को रिखिया बाजार में शीघ्र पहचान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें क्षेत्र के 233 गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। उपस्थित जनसमुदाय को बताया गया कि यदि कोई महिला बच्चा के लिए सोचती है तो गर्भावस्था से पहले, गर्भावस्था के दौरान तथा बच्चे के जन्म के पश्चात् किस तरह के सावधानी पर

ध्यान देना चाहिए। समय पर रोग निरोधक टीका लगवाया जाय। अच्छे चिकित्सक से समयानुसार सलाह लेनी चाहिए। बिना चिकित्सक के सलाह के दवा नहीं लेनी चाहिए।

(च) **एड्सः–** 1 दिसम्बर, 2019 को एड्स दिवस के अवसर पर बैजनाथपुर चौक, देवघऱ पर एक जागरुकता शिविर आयोजित किया गया। उपस्थित लोगों को इस बीमारी के बारे में विस्तार से बताया गया कि ये रोग कैसे फैलता है और इससे बचने के कौन–कौन से उपाय हैं। लोगों के बीच संदेशात्मक पर्चा बाँटा गया। पोस्टर की प्रदर्शनी लगायी गयी। उपस्थित लोगों ने विश्वास दिलाया कि संस्था द्वारा चलाए जा रहे एड्स जागरूकता अभियान में हम भरपुर सहयोग करेंगे। उपस्थित लोगों का सम्मिलित विचार था कि इस समस्या से जागरुकता के द्वारा ही लड़ा जा सकता है। शिविर में 133 लोगों ने शिरकत किया।

(छ) **अन्तर्राष्ट्रीय दिव्यांगता दिवस** :– 3 दिसम्बर, 2019 को अन्तर्राष्ट्रीय दिव्यांगता दिवस के अवसर पर शिक्षा चौक, देवघर पर जागरुकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समाजसेवी, ग्रामीण एवं अभिभावकों ने भाग लिया। उपस्थित लोगों को दिव्यांगता के बारे में विस्तृत जानकारी दी गयी। यदि हम ससमय सजग रहें तो दिव्यांगता को कम किया जा सकता है। हमें दिव्यांग बच्चों एवं व्यक्तियों को दयनीय दृष्टि से नहीं देखना चाहिए, उनमें भी प्रतिभा होती है, केवल उनकी ससमय पहचान कर समाज के मुख्य धारा में लाने की जरुरत है। साथ ही साथ किसी विशेष विद्यालय से सम्पर्क करना चाहिए। जागरुकता शिविर में 178 लोगों ने भाग लिया। संदेशात्मक पर्चा बाँटा गया। पोस्टर की प्रदर्शनी लगायी गयी।

(ज) **विश्व डाउन सिन्ड्रोम दिवस** :– 21 मार्च, 2020 को विश्व डाउन सिन्ड्रोम दिवस के अवसर पर सुभास चौक़ के पास एक जागरुकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 119 लोगों ने भाग लिया। जिसमें बच्चों के अभिभावक तथा गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। उपस्थित लोगों को डाउन सिन्ड्रोम के कारण तथा निदान की विस्तृत जानकारी दी गयी। यदि हम सजग रहेंगे तो दिव्यांगता को कम किया जा सकता है। हमें गर्भावस्था के दौरान अच्छे चिकित्सक से सलाह लेना चाहिए। खासकर जब पति पत्नी का उम्र ज्यादा हो या पहले से कोई दिव्यांग बच्चा पैदा लिया हो। ये एक क्रोमोजोमल कारक है। संदेशात्मक पर्चा भी बाँटा गया। पोस्टर प्रदर्शनी भी लगायी गयी। पहले से यदि डाउन सिन्ड्रोम से ग्रसित बच्चा पैदा लिया हो तो अगले बच्चे के बारे में सोचने से पहले किसी अच्छे चिकित्सक से सलाह जरुर लेना चाहिए।

संस्था उपरोक्त कार्यक्रमों के संचालन के साथ–साथ अन्य ज्वलंत समस्याओं के प्रति गहरी सोच रखती है। आवश्यकतानुसार अन्य कार्यक्रमों के माध्यम से समस्या समाधान की ओर अग्रसर रहती है तथा भविष्य में भी रहेगी।